वागड़

वागड़ सिंचाई परियोजना

भागीदारी सिंचाई
प्रबंधन (पी0आई0एम0)
की सफलता की

कहानी

वागड बांध जलाशय की सैटेलाइट छवि

वागड़ सिंचाई योजना, जो 1981 में कमीशन की गई है, महाराष्ट्र के नासिक जिले में स्थित है।

योजना मे खेती योग्य क्षेत्र 9642 हेक्टेयर हैं।

यह योजना 15926 छोटे किसानों की सिंचाई की जरूरतों को

पूरा करती है।

पी0आई0एम0 से पूर्व का परिदृश्य

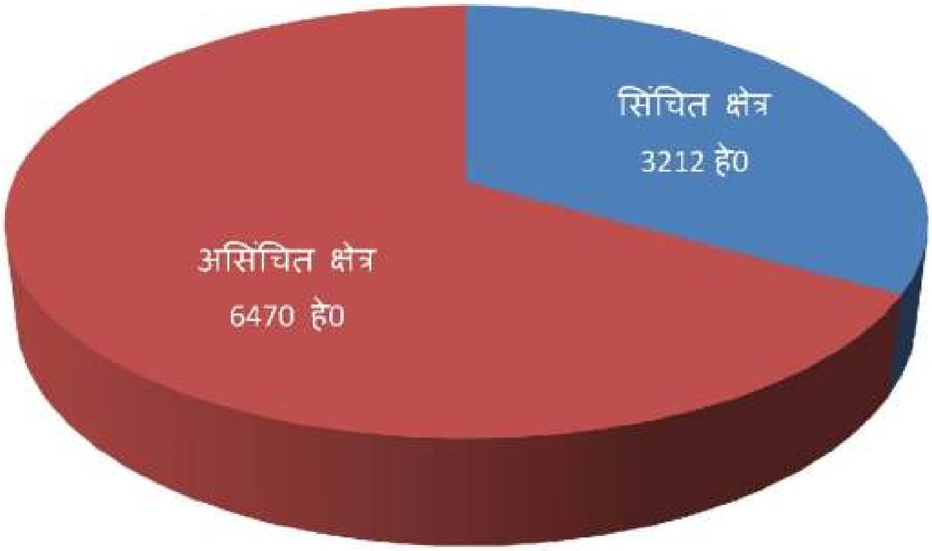

केवल 34% भूमि में सिंचाई की व्यवस्था थी

टेल एन्ड के किसान सिंचाई के पानी से वंचित थे

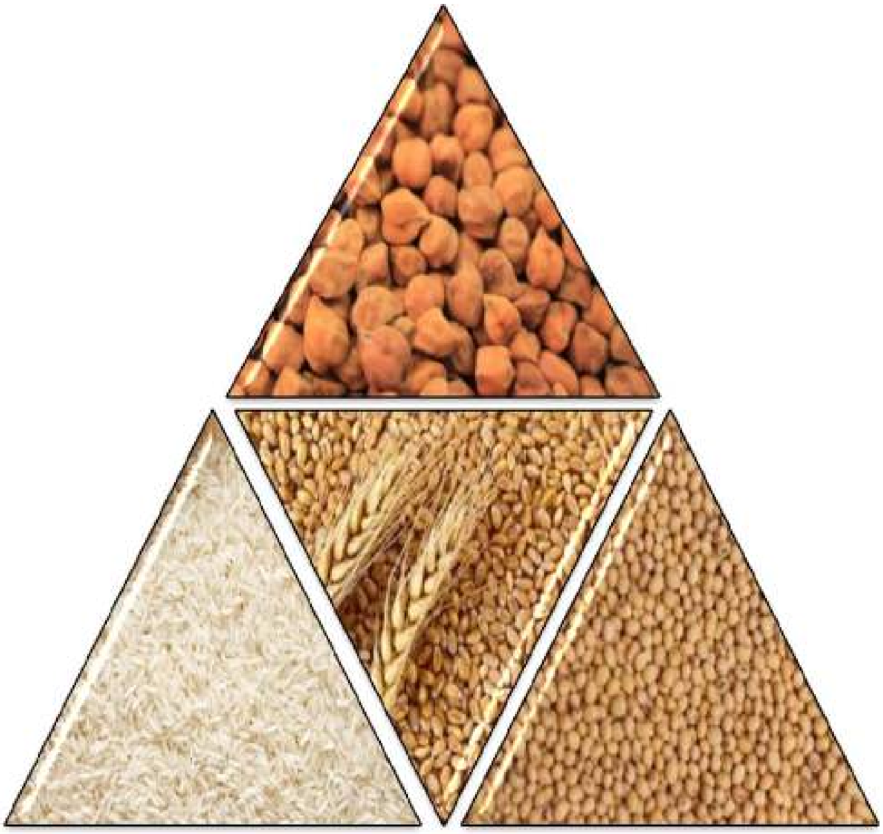

गेहूं, चावल, ज्वार, चने की ही पारंपरिक फसल का उत्पादन

जन भागीदारी-सिंचाई प्रबंधन के माध्यम से परिवर्तन

2004 तक 24 वाटर यूजर एसोसिएशन का गठन

1991 में 3 वाटर यूजर एसोसिएशन का गठन

पीएलडब्लूए का गठन जिसने योजना के पूर्ण ओ एंड एम का कार्यभार ले लिया

1991 में, योजना के संचालन और प्रबंधन के लिए नहर के टेल एन्ड क्षेत्र के कमांड क्षेत्र में तीन जल उपयोगकर्ता संघों (डब्लूयूए) का गठन किया गया था।

इन संघों की सफलता से 2004 तक पूरे कमांड में 24 संघों का गठन हो गया।

इसके अलावा 2003 में सभी डब्लूयूए पूरी तरह से सिंचाई योजना के अधिग्रहण और प्रबंधन के लिए 'वागड़ -प्रोजेक्ट लेवल वॉटर यूजर्स एसोसिएशन (पी.एल.डब्ल्यू.यू.ए.)' बनाने के लिए शामिल हुए।

वागड़ परियोजना में पीआईएम की प्रमुख विशेषताएं

- पानी की मात्रा के आधार पर पर सिंचाई के पानी की आपूर्ति
- स्टैंडिंग वेव फ्लूम तथा कट थ्रोट फ्लूम द्वारा पानी का मापन ।
- नहरें वर्ष में 5-6 बार चलती हैं।

- पिछले 25 वर्षों के लिए टेल से हेड सिंचाई व्यवस्था का इस्तेमाल किया जा रहा है।
- इसने पीआईएम पर टेल एन्ड वाले किसानों का विश्वास निर्मित किया है जो आम तौर पर सिंचाई के पानी से वंचित रह जाते हैं।

- रोटेशन अवधि के दौरान, कुछ नहरों के पानी को नालों और छोटे चेक बांधों में भूजल के रीचार्ज के लिए जमा किया जाता है जो पानी के संयोजक-उपयोग द्वारा बारहमासी फसल उत्पादन को

बढ़ावा देता है।

- पानी की उपलब्धता के कारण विभिन्न फसलों और नकदी फसलों का उत्पादन शुरू हुआ ।
- 50% कमांड क्षेत्र में वर्ष में कई बार खेती की जाती है।
- खेती आधारित श्रम-रोजगार 10 महीने प्रति वर्ष तक बढ़ गया

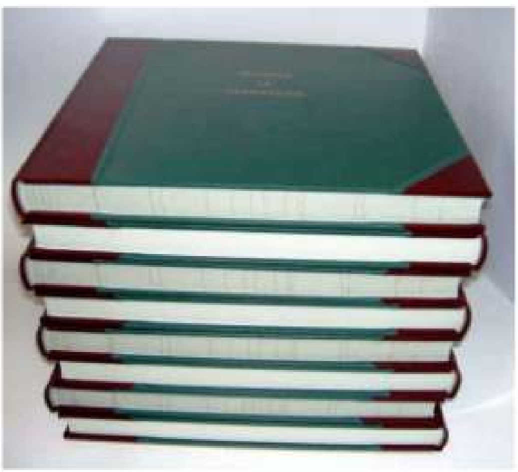

- डब्ल्यू.यू.ए. द्वारा प्रकाशित रिपोर्ट वार्षिक काम को दर्शाती है।
- हर लाभार्थी को वार्षिक मीटिंग के आठ दिन पहले बैठक में उसे किसी भी पहलू के सन्दर्भ में पूछताछ कर पाने के लिए वार्षिक रिपोर्ट की प्रति दी जाती है।

- बेहतर तरीकों को अपनाने के लिए सरकारी / प्रशिक्षण अधिकारी के साथ लगातार बैठक की जाती है।
- बांध में पानी की उपलब्धता के अनुसार जल कोटा तय करने के लिए प्रति वर्ष अक्टूबर में पी.एल.डब्ल्यू.यू.ए. और सरकारी अधिकारियों की बैठक होती है।

- डब्ल्यू.यू.ए. में महिलाओं की भागीदारी जरूरी है ।
- वागड़ में, 72 महिलाएं चौबीस डब्ल्यू.यू.ए. में बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स के सदस्य रूप में काम कर रही हैं।
- 24 महिलाएं डब्ल्यू.यू.ए. में अध्यक्ष हैं।

- डेटा रखने के लिए वागड़ पी.एल.डब्ल्यू.यू.ए. में कंप्यूटर का इस्तेमाल किया जा रहा है।
- रोटेशन के लिए डब्ल्यू.यू.ए. एनटाइटेलमेंट बेस वॉटर कोटा निर्धारित करने के लिए मोबाइल हैंडसेट विकल्प इस्तेमाल किए जा रहे हैं। पी.एल.डब्ल्यू.यू.ए. की वेबसाइट को भी जानकारी के लिए सार्वजनिक किया जा रहा है: www.waghadproject.org

- किसान आत्मविश्वासी बन गए हैं और अब नई पहल और विचारों की कोशिश कर रहे हैं।
- वागड़ कृषि प्रोड्यूसर कंपनी (डब्ल्यू.ए.पी.सी.ओ.) को प्रसंस्कृत सब्जियों का उत्पादन और विपणन के लिए किसानों द्वारा शुरू किया गया है।

सिंचित क्षेत्र में 3 गुना बढ़ोतरी
सरकारी राजस्व में 10 गुना बढ़ोतरी
फसल रोटेशन में 3 गुना बढ़ोतरी
पीआईएम की उपलब्धियां
रोजगार में 5 गुना बढ़ोतरी
अनाज उत्पादन में 11 गुना बढ़ोतरी
कृषक आय में 20 गुना बढ़ोतरी

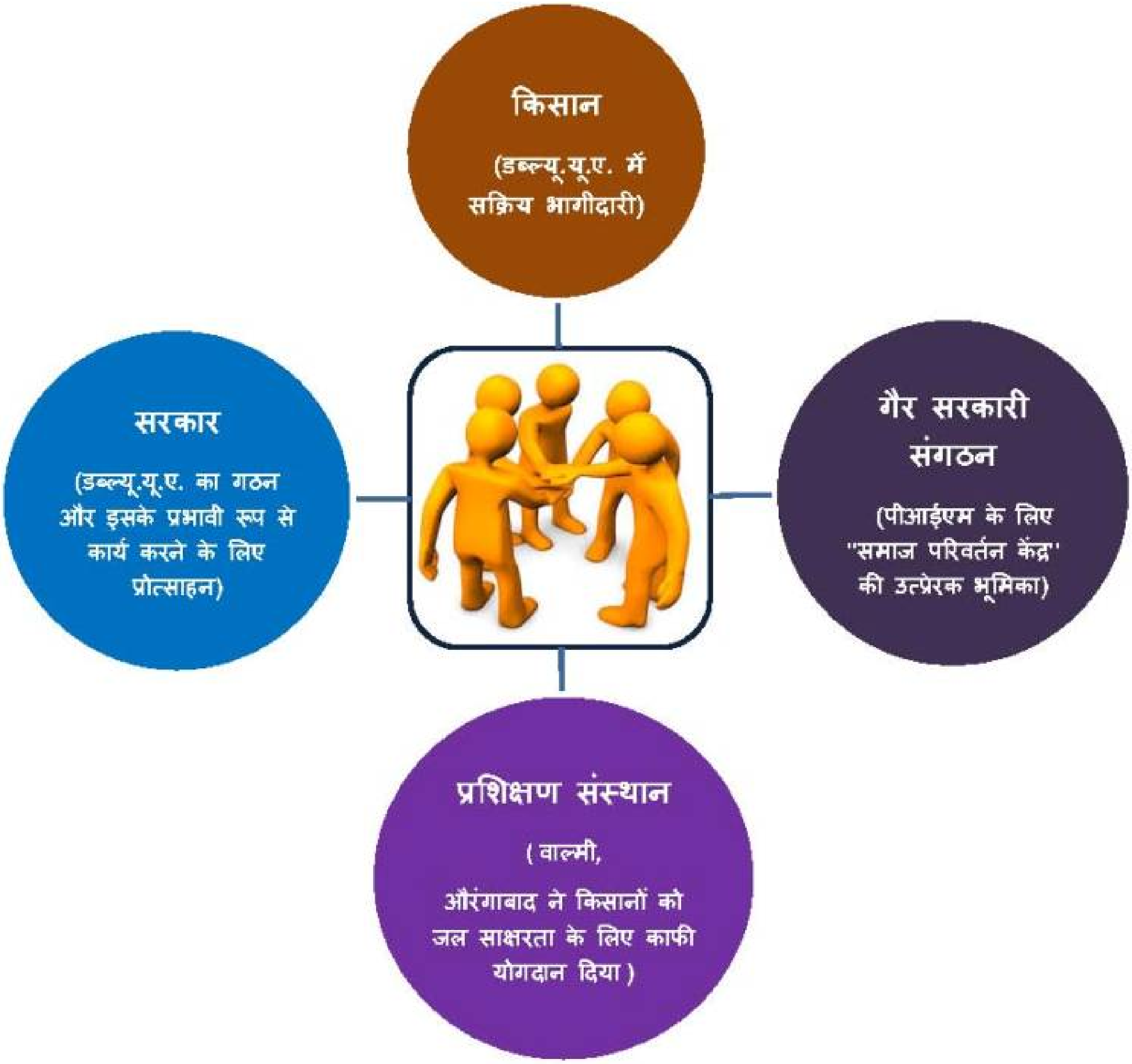

अगला व्यष्टि अध्ययन >>
सगुना राइस तकनीक